तकनीकी से जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का हल संभव : पीएम

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

मोदी ने कहा, भारत पर्यावरण संरक्षण के साथ ही विकास का पक्षधर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वित्तीय संसाधन और तकनीकी के जरिए ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान संभव है। नई तकनीक के रास्ते ही भारत जैसे देश और अधिक सतत एवं स्थायी विकास हासिल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन में 'द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट' (टेरी) के विश्व सतत विकास सम्मेलन (डब्ल्यूडब्ल्यूएस) के औपचारिक उद्घाटन के दौरान ये बातें कही। इस दौरान करीब 38 देशों के 200 प्रतिनिधि मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई तकनीक गरीबों के लिए बेहद मददगार साबित होगी। मोदी ने महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप दर्शन को दोहराते हुए कहा कि हम इस बात में यकीन करते हैं कि इंसान प्रकृति से मिलने वाले सभी संसाधन और संपत्तियों का सिर्फ प्रबंधक है। हम पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास के पक्षधर हैं। इसी का नतीजा है कि प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के रसोई घरों में खतरनाक धुआं निकलता है जिसके चलते महिलाओं को गंभीर बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए हमने उज्जवला और सौभाग्य योजना जैसी पहल की है। इन दोनों योजनाओं का नतीजा रहा कि भारतीय माताओं ने जंगल से लकड़ियों का इस्तेमाल और गोबर का ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कम कर दिया है।